मेवाड़ राजपरविार के महेंद्र सहि मेवाड़ का नधिन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में पूर्व सांसद और **मेवाड़ राजपरविार के सदस्य महेंद्र सहि मेवाड़ का** उदयपुर में नधिन हो गया। वे **महाराणा प्रताप के वंशज थे।**

मुख्य बदिु

- **महाराणा प्रताप:**
  - **राणा प्रताप सहि,** जनि्हें महाराणा प्रताप के नाम से भी जाना जाता है, का **जन्म 9 मई, 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़** में हुआ था।
  - वह **मेवाड़ के 13वें राजा थे और उदय सहि द्वतीय के** सबसे बड़े पुत्र थे।
  - महाराणा उदय सहि द्वतीय ने चत्तिौड़ को अपनी राजधानी बनाकर मेवाड़ राज्य पर शासन कयि।
    - **उदय सहि द्वतीय उदयपुर** (राजस्थान) **शहर के संस्थापक** भी थे।
- **हल्दीघाटी का युद्ध:**
  - हल्दीघाटी का युद्ध **1576 में मेवाड़ के राणा प्रताप सहि और आमेर के राजा मान सहि,** जो मुगल सम्राट अकबर के सेनापतथि, के बीच लड़ा गया था।
  - महाराणा प्रताप ने बहादुरी से युद्ध लड़ा लेकनि **मुगल सेना से हार** गये।
  - माना जाता है क**िमहाराणा प्रताप के नष्ठिावान घोड़े चेतक** ने युद्ध के मैदान से लौटते समय अपने प्राण त्याग दयि थे।
- **पुनर्वजिय:**
  - **1579 के बाद** मेवाड़ पर मुगल दबाव कम हो गया और प्रताप ने कुंभलगढ़, उदयपुर और गोगुंदा सहति पश्चमिी मेवाड़ को पुनः प्राप्त कर लयि।
  - इस समय के दौरान, उन्होंने आधुनकि डूंगरपुर के नकिट एक **नई राजधानी चावंड** की स्थापना भी की।
- **मृत्यु:**
  - 19 जनवरी, 1597 को उनकी मृत्यु हो गई। **उनके पुत्र अमर सहि ने उनका स्थान लयि,** जनि्होंने 1614 में अकबर के पुत्र सम्राट जहाँगीर के अधीन हो गए।

//

प्रताप गौरव केंद्र

- यह **राजस्थान के उदयपुर शहर में टाइगर हिल** पर स्थित एक **पर्यटन स्थल है।**
- इसका उद्देश्य **आधुनिक तकनीक की सहायता से महाराणा प्रताप** और क्षेत्र की ऐतिहासिक विरासत के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराना है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mahendra-singh-mewar-from-mewar-royal-family-passes-away